Drishti IAS

करेंट अफेयर्स बिहार

दिसंबर 2024 (संग्रह)

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

बिहार

- बिहार में क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम 3
- राजेंद्र प्रसाद जयंती 6
- क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (RRB) के प्रदर्शन की समीक्षा के लिये बैठक 7
- मखाना महोत्सव 9
- बिहार खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता 10
- पटना में मौर्य साम्राज्य का उत्खनन 11
- बिहार के गंगा के मैदानों में पानी के कारण कैंसर का खतरा 13
- पटना में सुपर स्पेशियलिटी आई हॉस्पिटल 14
- महिला कबड्डी विश्व कप 2025 बिहार में आयोजित किया जाएगा 15
- बिहार बिज़नेस कनेक्ट 2024 निवेश 16
- BPSC ने परीक्षा रद्द करने से किया मना 17

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

बिहार

बिहार में क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों के मंत्री ने बिहार के मधुबनी ज़िले में क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम के दौरान 50,294 लाभार्थियों को 1,121 करोड़ रुपए का ऋण वितरित किया।**

मुख्य बिंदु

- **क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ:**
- **ड्रोन दीदी योजना:**
  - केंद्रीय वित्त मंत्री ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।
- उन्होंने महिलाओं से वित्तीय सशक्तीकरण के लिये सरकारी योजनाओं में भाग लेने का आग्रह किया।
  - उदाहरण के लिये, उन्होंने **ड्रोन दीदी पहल** का उल्लेख किया जिसका उद्देश्य **स्वयं सहायता समूहों (SHG)** को सशक्त बनाना और "लखपतिदीदी" बनाना है अर्थात् ऐसे SHG सदस्य जिनकी वार्षिक घरेलू आय 1 लाख रुपए से अधिक हो।
- **ऋण स्वीकृति पहल:**
  - **प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम, किसान क्रेडिट कार्ड (फसल और पशुपालन एवं मत्स्य पालन), स्टैंड अप इंडिया, पीएम-स्वनिधि और पीएम विश्वकर्मा** जैसे कार्यक्रमों के तहत ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किये गए।
- **बुनियादी ढाँचा और CSR (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) पहल:**
  - **राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (NABARD)** ने 155.84 करोड़ रुपए और **भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI)** ने ग्रामीण सड़क परियोजनाओं के लिये 75.52 लाख रुपए मंज़ूर किये।
  - विभिन्न बैंकों ने **CSR** गतिविधियों के माध्यम से स्कूलों, विशेषकर लड़कियों के लिये, में बुनियादी ढाँचे में सुधार के लिये योगदान दिया।
- **मधुबनी में कार्यक्रम:**
  - मंत्री ने **मिथिला चित्रकला संस्थान का दौरा किया और मिथिला चित्रकला** और **टेराकोटा कला** में विशेषज्ञता रखने वाले कलाकारों के साथ बातचीत की ।
  - हाल ही में **संविधान दिवस** के अवसर पर उपस्थित लोगों को मैथिली और संस्कृत में संविधान की प्रतियाँ प्रदान की गईं।
  - मंत्री ने बैंकों द्वारा वित्तपोषित स्थानीय उत्पादों और हस्तशिल्पों को प्रदर्शित करने वाले लगभग 25 स्टालों का दौरा किया।
- **आयुष्मान भारत कार्ड वितरण:**
  - कार्यक्रम के दौरान 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को **आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB PM-JAY)** कार्ड प्राप्त हुए।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

ड्रोन दीदी पहल

- इसे प्रधानमंत्री द्वारा 30 नवंबर, 2023 को विकसित भारत संकल्प यात्रा की महिला लाभार्थियों के साथ चर्चा करने के पश्चात लॉन्च किया गया था।
- इसका लक्ष्य अगले दो वर्षों में **15,000 महिला स्वयं सहायता समूहों (SHG) को ड्रोन उपलब्ध कराना है, जिन्हें कृषि उद्देश्यों** के लिये **किसानों को किराये पर दिया जाएगा।**
- केंद्र सरकार प्रत्येक पहचाने गए स्वयं सहायता समूह को ड्रोन की लागत का 80% या अधिकतम 8 लाख रुपए तक **सब्सिडी** देगी। इससे उन्हें प्रति व्यक्ति लगभग 1 लाख रुपए की अतिरिक्त आय होने की आशा है।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना

- **परिचय:**
  - PMMY को भारत सरकार द्वारा वर्ष 2015 में लॉन्च किया गया था।
  - PMMY **छोटे व्यवसाय उद्यमों के लिये 10 लाख रुपए** तक का **ज़मानत-मुक्त संस्थागत ऋण प्रदान करता है।**
- **वित्तपोषण प्रावधान:**
  - यह **सदस्य ऋण संस्थानों (MLI) अर्थात् अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (SCB), क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (RRB),** गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ (NBFC) **और सूक्ष्म वित्त संस्थानों (MFI) द्वारा प्रदान किया जाता है।**
- **प्रकार:**
  - ऋण का उपयोग **विनिर्माण, व्यापार, सेवा क्षेत्र और कृषि में आय-सृजन गतिविधियों के लिये किया जा सकता है।**
  - PMMY के अंतर्गत तीन ऋण उत्पाद हैं:
  - **शिशु** (50,000 रुपए तक का ऋण)
  - **किशोर** (50,000 रुपए से 5 लाख रुपए के बीच ऋण)
  - **तरुण** (5 लाख रुपए से 10 लाख रुपए के बीच ऋण)

प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम

- भारत सरकार ने **ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के माध्यम से** रोज़गार के अवसर सृजित करने के लिये **वर्ष 2008 में** प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम (PMEGP) नामक **ऋण-संबद्ध सब्सिडी कार्यक्रम की शुरूआत को मंज़ूरी दी थी।**
- यह उद्यमियों को **कारखाने या इकाइयाँ स्थापित करने की अनुमति देता है।**
- यह **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (MoMSME)** द्वारा **प्रशासित एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है।**
- राष्ट्रीय स्तर पर कार्यान्वयन एजेंसी **खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC)** है- जो MSME मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक वैधानिक संगठन है।

किसान क्रेडिट कार्ड

- **परिचय:**
  - यह योजना **वर्ष 1998 में** किसानों को उनकी खेती तथा अन्य आवश्यकताओं जैसे कि बीज, उर्वरक, कीटनाशक आदि कृषि इनपुट की खरीद तथा उनकी उत्पादन आवश्यकताओं के लिये नकदी प्राप्त करने के लिये एकल खिड़की के अंतर्गत अनुकूल और सरलीकृत प्रक्रिया के साथ बैंकिंग प्रणाली से पर्याप्त और समय पर ऋण सहायता प्रदान करने के लिये शुरू की गई थी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- वर्ष 2004 में इस योजना को किसानों की निवेश ऋण आवश्यकता अर्थात् संबद्ध और गैर-कृषि गतिविधियों के लिये आगे बढ़ाया गया।
- बजट 2018-19 में सरकार ने **मत्स्यपालन और पशुपालन करने वाले किसानों को** उनकी कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं को पूर्ण करने में सहायता के लिये **KCC की सुविधा का विस्तार करने की घोषणा की।**

- **कार्यान्वयन एजेंसियाँ:**
  - वाणिज्यिक बैंक
  - क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (RRB)
    - लघु वित्त बैंक
    - सहकारिता

स्टैंड-अप इंडिया योजना

- **परिचय:**
  - स्टैंड अप इंडिया योजना **वित्त मंत्रालय द्वारा अप्रैल 2016 में** आर्थिक सशक्तीकरण और रोज़गार सृजन पर ध्यान केंद्रित करते हुए ज़मीनी स्तर पर उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिये शुरू की गई थी।
  - इस योजना को वर्ष 2025 तक बढ़ा दिया गया है।
- **उद्देश्य:**
  - **महिलाओं, अनुसूचित जाति (SC)** और **अनुसूचित जनजाति (ST)** वर्ग के बीच **उद्यमशीलता को बढ़ावा देना।**
  - विनिर्माण, सेवा या व्यापार क्षेत्र तथा कृषि से संबद्ध गतिविधियों में **ग्रीनफील्ड उद्यमों** के लिये ऋण उपलब्ध कराना।
  - अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की प्रत्येक शाखा से कम से कम एक अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उधारकर्त्ता तथा कम से कम **एक महिला उधारकर्त्ता को 10 लाख रुपए से 100 लाख रुपए** के बीच बैंक ऋण की सुविधा प्रदान करना।

पीएम-स्वनिधि

- यह एक **केंद्रीय क्षेत्र की योजना है, जो आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा** पूर्णत: वित्तपोषित है तथा इसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं:
  - कार्यशील पूंजी ऋण की सुविधा प्रदान करना;
  - नियमित पुनर्भुगतान को प्रोत्साहित करना तथा
  - डिजिटल लेन-देन को पुरस्कृत करना
- क्रमश: **10,000 रुपए और 20,000 रुपए के प्रथम और द्वितीय ऋण के अतिरिक्त 50,000 रुपए तक** के तीसरे ऋण की शुरूआत।
- ये ऋण बिना किसी संपार्श्विक के होंगे।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना

- **उद्देश्य:** पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों के उत्पादों की गुणवत्ता और बाज़ार पहुँच को बढ़ाकर उनका उत्थान करना तथा उन्हें घरेलू और वैश्विक मूल्य शृंखलाओं में एकीकृत करना।
- **विशेषताएँ:**
  - योजना के लिये बजटीय आवंटन– 5 वित्तीय वर्षों (2023-24 से 2027-28) के लिये 13,000 करोड़ रुपए।
  - पीएम विश्वकर्मा प्रमाण-पत्र और ID कार्ड के माध्यम से लाभार्थियों को मान्यता प्रदान की जाती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- कौशल प्रशिक्षण के लिये प्रतिदिन 500 रुपए का वजीफा तथा आधुनिक उपकरणों की खरीद के लिये 15,000 रुपए का अनुदान।

- **श्रेणी:** केंद्रीय क्षेत्र योजना
- **नोडल मंत्रालय:** सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (MoMSME)

राजेंद्र प्रसाद जयंती

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री ने देश के प्रथम **राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।**

मुख्य बिंदु

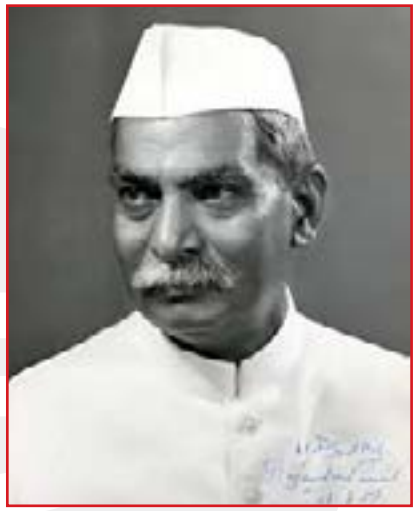

- डॉ. राजेंद्र प्रसाद का जन्म **3 दिसंबर, 1884** को **बिहार** के **सिवान ज़िले के जीरादेई** में हुआ था।
- **शिक्षा:**
  - उन्होंने **1902 में कलकत्ता प्रेसीडेंसी कॉलेज में प्रवेश लिया।**
  - 1915 में प्रसाद ने **कलकत्ता विश्वविद्यालय के विधि विभाग से विधि में स्नातकोत्तर की परीक्षा दी,** परीक्षा उत्तीर्ण की और स्वर्ण पदक जीता।
  - 1916 में उन्होंने **पटना उच्च न्यायालय से अपना कानूनी करियर शुरू किया। 1937 में** उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से कानून में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की।
- **स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका:**
- **गांधीजी से संबंधित:**
  - जब **गांधीजी बिहार के चंपारण ज़िले में** स्थानीय किसानों की शिकायतों के समाधान के लिये तथ्य-खोज अभियान पर थे, तो उन्होंने **राजेंद्र प्रसाद को स्वयंसेवकों के साथ चंपारण आने के लिये बुलाया।**
  - चंपारण **सत्याग्रह** ने न केवल उन्हें महात्मा गांधी के करीब ला दिया, बल्कि उनके जीवन की पूरी दिशा ही बदल दी।
  - **1919 के रॉलेट एक्ट** और **1919 के जलियाँवाला बाग हत्याकांड** ने राजेंद्र प्रसाद को गांधीजी के करीब ला दिया।
- **असहयोग का आह्वान:**
  - डॉ. प्रसाद ने **गांधीजी के असहयोग आंदोलन** के तहत बिहार में असहयोग का आह्वान किया।
- **नमक सत्याग्रह:**
  - मार्च 1930 में गांधीजी ने **नमक सत्याग्रह** शुरू किया। डॉ. प्रसाद के मार्गदर्शन में **बिहार के नखास तालाब** में नमक सत्याग्रह शुरू किया गया।
- **डॉ. प्रसाद और भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस:**
- वह **1911 में कलकत्ता में आयोजित भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस** के वार्षिक अधिवेशन के दौरान आधिकारिक रूप से **इसमें शामिल हुए।**
- **उन्होंने अक्तूबर 1934 में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के बम्बई अधिवेशन** की अध्यक्षता की।
- अप्रैल 1939 में कॉन्ग्रेस के अध्यक्ष पद से **सुभाष चंद्र बोस के त्याग-पत्र** के बाद **वे दूसरी बार अध्यक्ष चुने गये।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- 1946 में वे पंडित जवाहरलाल नेहरू **की अंतरिम सरकार में खाद्य एवं कृषि मंत्री के रूप में शामिल हुए और "अधिक खाद्यान्न उगाओ (Grow More Food)"** का नारा दिया।
- **डॉ. प्रसाद और संविधान सभा:**
- जुलाई 1946 में जब **भारत का संविधान** बनाने के लिये **संविधान सभा** की स्थापना हुई तो वे इसके अध्यक्ष चुने गए।
- डॉ. प्रसाद की अध्यक्षता में संविधान सभा की समितियों में शामिल हैं:
  - राष्ट्रीय ध्वज पर तदर्थ समिति
  - प्रक्रिया नियमों पर समिति
  - वित्त और कर्मचारी समिति
  - संचालन समिति
- **26 जनवरी, 1950** को **स्वतंत्र भारत का संविधान स्वीकृत हुआ** और वे **भारत के प्रथम राष्ट्रपति** चुने गए।
- **पुरस्कार एवं सम्मान:**
  - **1962** में , राष्ट्रपति के रूप में 12 वर्षों के बाद, **डॉ॰ प्रसाद सेवानिवृत्त हुए** और तत्पश्चात उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार **भारत रत्न** से सम्मानित किया गया।
  - डॉ. प्रसाद ने अपने जीवन और स्वतंत्रता से पहले के दशकों को कई पुस्तकों में दर्ज किया, जिनमें शामिल हैं:
    - चंपारण में सत्याग्रह
    - भारत विभाजित
    - उनकी आत्मकथा "आत्मकथा"
    - महात्मा गांधी और बिहार, कुछ यादें
    - बापू के कदमों में
- **मृत्यु:**
  - डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने अपने जीवन के अंतिम कुछ महीने पटना के सदाकत आश्रम में संन्यास में व्यतीत किये। 28 फरवरी, 1963 को उनका निधन हो गया।

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (RRB) के प्रदर्शन की समीक्षा के लिये बैठक

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **केंद्रीय वित्त मंत्री ने** पटना में आयोजित एक बैठक के दौरान **बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल को** कवर करने वाले पूर्वी क्षेत्र के आठ **क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (RRB) के प्रदर्शन की समीक्षा की।**

मुख्य बिंदु

- **बैठक के केंद्रित क्षेत्र:**
  - व्यावसायिक प्रदर्शन, डिजिटल प्रौद्योगिकी उन्नयन, तथा कृषि एवं सूक्ष्म उद्योग से संबंधित गतिविधियों में वृद्धि को बढ़ावा देना प्राथमिक केंद्र था।
  - केंद्रीय वित्त मंत्री ने प्रायोजक बैंकों के सहयोग से **मुद्रा (MUDRA)** और **पीएम विश्वकर्मा जैसी प्रमुख योजनाओं के तहत ऋण वितरण बढ़ाने पर ज़ोर दिया।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों के लिये निर्देश:**
  - क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को ज़मीनी स्तर पर कृषि ऋण को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए, विशेष रूप से डेयरी, पशुपालन और मत्स्य पालन जैसी संबद्ध गतिविधियों के लिये।
  - **उत्तर बिहार ग्रामीण बैंक को मत्स्य पालन और मखाना (Foxnut)** के लिये ऋण बढ़ाने का कार्य सौंपा गया ताकि उनकी क्षेत्रीय क्षमता का दोहन किया जा सके।
- **प्रौद्योगिकी उन्नयन पर ज़ोर:**
  - केंद्रीय वित्त मंत्री ने RRB की दक्षता और सेवा वितरण में सुधार के लिये प्रौद्योगिकी संवर्द्धन में तेजी लाने पर बल दिया।
  - वित्तीय मापदंडों में सुधार दिखा, **पूंजी पर्याप्तता अनुपात** 7.8% (वित्त वर्ष 2022) से बढ़कर 9.4% (वित्त वर्ष 2024) हो गया और इसी अवधि के दौरान **सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियाँ (GNPA)** 25% से घटकर 15% हो गईं।
  - पूर्वी क्षेत्र के RRB ने वित्त वर्ष 2024 में 625 करोड़ रुपए का लाभ दर्ज किया, जबकि वित्त वर्ष 2023 में 690 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा होगा।
- **वित्तीय समावेशन पहल:**
  - केंद्रीय वित्त मंत्री ने **प्रधान मंत्री जन धन योजना (PMJDY)**, **प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY)**, **प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY)** और **अटल पेंशन योजना (APY)** जैसी वित्तीय समावेशन योजनाओं के तहत लाभार्थियों को संतृप्त करने पर ज़ोर दिया।
  - इन पहलों की सफलता सुनिश्चित करने के लिये प्रायोजक बैंकों से क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के साथ मिलकर काम करने का आग्रह किया गया।
- **डिजिटल सेवाएँ और समय सीमा:**
  - RRB को दिसंबर 2024 तक सभी ग्राहकों को **इंटरनेट बैंकिंग**, **मोबाइल बैंकिंग** और **एकीकृत भुगतान इंटरफेस (UPI)** सेवाएँ प्रदान करने का निर्देश दिया गया।
  - प्रायोजक बैंकों को ग्राहकों द्वारा इन सेवाओं को अपनाने की प्रवृत्ति बढ़ाने के लिये इन्हें बढ़ावा देने का कार्य निर्दिष्ट किया गया।
- स्वरोजगार और स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा देना:
  - **एक ज़िला एक उत्पाद (ODOP) कार्यक्रम** को क्षेत्र में स्वरोज़गार को बढ़ावा देने के साधन के रूप में रेखांकित किया गया।
  - राज्य सरकारों से आग्रह किया गया कि वे **राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (NABARD)** तथा **SIDBI** के साथ मिलकर महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रशिक्षण और विपणन सहायता सहित सहयोग प्रदान किया जाए।

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (RRB)

- RRB की स्थापना 26 सितंबर, 1975 को जारी अध्यादेश और **क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 के प्रावधानों के अंतर्गत 1975 में की गई थी।**
- ये **वित्तीय संस्थाएँ हैं** जो कृषि और अन्य ग्रामीण क्षेत्रों के लिये पर्याप्त ऋण सुनिश्चित करती हैं।
- वे **ग्रामीण समस्याओं की जानकारी के संदर्भ में एक सहकारी बैंक की विशेषताओं** और व्यावसायिकता तथा वित्तीय संसाधन जुटाने की क्षमता के संदर्भ में एक वाणिज्यिक बैंक की विशेषताओं को एक साथ जोड़ते हैं।
- 1990 के दशक में सुधारों के बाद, सरकार ने वर्ष 2005-06 में **एक समेकन** कार्यक्रम शुरू किया, जिसके परिणामस्वरूप क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की संख्या 2005 में 196 से घटकर वित्त वर्ष 2021 में 43 हो गई।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (PMMY)

- PMMY को **भारत सरकार द्वारा वर्ष 2015 में लॉन्च किया गया था।**
- PMMY **छोटे व्यवसाय उद्यमों के लिये 10 लाख रुपए तक का संपार्श्विक-मुक्त संस्थागत ऋण प्रदान करता है।**
- यह **सदस्य ऋण देने वाली संस्थाओं (MLI) अर्थात अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (SCB),** क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (RRB), गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFC) और **सूक्ष्म वित्त संस्थानों (MFI)**।

मखाना महोत्सव

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में बिहार सरकार ने कर्नाटक में बिहार की महत्त्वपूर्ण फसल **मखाना और अन्य खाद्य उत्पादों के बाज़ार का विस्तार करने के लिये बंगलूरू में दो दिवसीय 'मखाना महोत्सव' का आयोजन किया है।**

प्रमुख बिंदु

- **महोत्सव के बारे में:**
  - महोत्सव और इससे संबंधित पहलों का **उद्देश्य बिहार को मखाना उत्पादन में अग्रणी बनाना है** तथा पूरे भारत में इसके आर्थिक और सांस्कृतिक महत्त्व को बढ़ावा देना है।
  - इसका उद्देश्य **बिहार की प्रमुख फसल मखाना को दक्षिण भारतीय बाज़ारों में प्रस्तुत करना है,** जिससे इसके विकास के लिये नए अवसर उत्पन्न होंगे।
- **मखाना उत्पादन और बाज़ार विस्तार:**
  - **देश के मखाना उत्पादन में बिहार का योगदान 50% है** और उत्तरी राज्यों में इसकी अत्यधिक मांग है।
  - तमिलनाडु और केरल सहित **दक्षिण भारतीय राज्यों में बाज़ार का विस्तार करने** के लिये बंगलूरू को रणनीतिक रूप से प्रवेश द्वार के रूप में चुना गया है।
- **अनुसंधान के माध्यम से उत्पादन बढ़ाना:**
  - मखाना उत्पादन बढ़ाने और गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित करने के लिये एक समर्पित अनुसंधान केंद्र स्थापित किया गया है।
  - **मई 2023 में,** केंद्र सरकार ने मखाना अनुसंधान केंद्र, दरभंगा को **"राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केंद्र, दरभंगा"** में अपग्रेड किया और अन्य जलीय फसलों को शामिल करने के लिये इसके अधिदेश का विस्तार किया।
  - **मखाना को GI (भौगोलिक संकेत) टैग** मिलने से अंतर्राष्ट्रीय मंच पर इसकी मान्यता बढ़ गई है।
  - केंद्र सरकार की **मेक इन इंडिया पहल** के तहत मखाना उत्पादों का उत्पादन और विपणन किया जा रहा है।
- **मखाना उत्पादन का आर्थिक प्रभाव:**
  - राज्य के कृषि एवं स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार, **मखाना उत्पादन से बिहार में रोज़गार और उद्योग को काफी बढ़ावा मिला है।**
  - मखाना उत्पादों का बाज़ार पिछले वर्ष 150 करोड़ रुपए तक पहुँच गया, जो वर्ष 2022-2023 की तुलना में **वर्ष 2023-2024 में 30% की वृद्धि** दर्शाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मिथिला मखाना

- मिथिला मखाना या माखन (वानस्पतिक नाम: यूरीले फेरोक्स सालिस्ब) **बिहार** और नेपाल **के मिथिला क्षेत्र में उगाई जाने वाली** जलीय मखाना **की एक विशेष किस्म है।**
- मखाना मिथिला की **तीन प्रतिष्ठित सांस्कृतिक पहचानों में से एक है।**
  - **पान, मखाना और मच्छ (मछली)** मिथिला की तीन प्रतिष्ठित सांस्कृतिक पहचान हैं।
- यह नवविवाहित जोड़ों के लिये मनाए जाने वाले **मैथिल ब्राह्मणों** के **कोजागरा उत्सव** में भी बहुत प्रसिद्ध है।
- मखाने में **प्रोटीन और फाइबर** के साथ-साथ **कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन और फास्फोरस जैसे सूक्ष्म पोषक तत्त्व** भी होते हैं।
- इसे **वर्ष 2022 में** GI (भौगोलिक संकेत) टैग **प्राप्त हुआ।**

बिहार खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में बिहार के मुख्यमंत्री ने पटना के **पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में मशाल प्रज्वलित कर खेल जगत की सबसे बड़ी प्रतिभा खोज प्रतियोगिता' बिहार खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता' का शुभारंभ किया।**

मुख्य बिंदु

- **भागीदारी और दायरा:**
  - इसमें 40,000 **सरकारी** माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक **विद्यालयों के** लगभग **60 लाख बच्चे भाग लेंगे।**
  - प्रतियोगिता में **बाहरी स्कूलों के बच्चों को भी भाग लेने का मौका मिलेगा।**
  - कुल **पुरस्कार राशि 10 करोड़ रुपए निर्धारित की गई है।**
- **खेल पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना:**
  - **इसका उद्देश्य बिहार में** खेल संस्कृति का दृढ़ निर्माण करना है।
  - यह **राजगीर में आयोजित महिला एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी हॉकी** की सफलता पर आधारित है, जहाँ भारत ने अपना खिताब बनाए रखा।
  - **इसे भविष्य की खेल प्रतिभाओं को पोषित करने की दिशा में** एक कदम के रूप में डिज़ाइन किया गया है।
- **ओलंपिक आकांक्षाएँ:**
  - दीर्घकालिक लक्ष्यों में से एक **वर्ष 2032 और 2036 ओलंपिक खेलों के लिये संभावित पदक दावेदारों की पहचान करना और उन्हें तैयार करना है।**
- **प्रतियोगिता:**
  - प्रतिभागी तीन चरणों, **ब्लॉक, ज़िला और राज्य स्तर पर प्रतिस्पर्द्धा करेंगे।**
  - प्रतियोगिता में प्रमुख खेलों में **एथलेटिक्स, कबड्डी, फुटबॉल, वॉलीबॉल शामिल हैं।**
  - विजेताओं को मान्यता एवं प्रोत्साहन पैकेज के भाग के रूप में **खेल किट और प्रमाण-पत्र प्रदान किये जाएँगे ।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

पटना में मौर्य साम्राज्य का उत्खनन

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) ने कुम्हरार में '80 स्तंभों वाले सभा भवन' की खुदाई शुरू की है, जिसे भारतीय उपमहाद्वीप में मौर्य सम्राटों की स्थापत्य उपलब्धियों का एकमात्र जीवित साक्ष्य माना जाता है।**

मुख्य बिंदु

- **कुम्हरार में मौर्य महल का अनावरण:**
  - **ASI के अनुसार, 1 दिसंबर, 2024 को पटना के कुम्हरार संरक्षित स्थल** पर खुदाई शुरू हुई, **जिसमें अशोकन सभा घर** पर ध्यान केंद्रित किया गया।
  - **इसका प्राथमिक उद्देश्य दफन मौर्य पत्थर स्तंभों** की वर्तमान स्थिति का आकलन करना है।
  - जल स्तर मापने के लिये **केंद्रीय भूजल बोर्ड** के साथ सहयोग सहित विस्तृत वैज्ञानिक विश्लेषण किया जाएगा।
  - निष्कर्षों के आधार पर, सभी 80 स्तंभों को उजागर करने की संभावना पर विचार किया जाएगा।
- **ऐतिहासिक संदर्भ और विगत उत्खनन:**
  - मौर्यकालीन हॉल, जिसके बारे में माना जाता है कि इसका उपयोग **सम्राट अशोक ने तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में तृतीय बौद्ध संगीति** के लिये किया था, पहली बार 1912-1915 और 1951-1955 के बीच खुदाई के दौरान सामने आया था।
- **चुनौतियाँ:**
  - 1990 के दशक के अंत में भूजल **रिसाव के कारण खंडहरों में जलभराव** हो गया, जिससे संरचना को नुकसान पहुँचा।
  - आगे और अधिक गिरावट को रोकने के लिये, **वर्ष 2004 में इस स्थल को मृदा और रेत से ढक दिया गया।**
  - शुरुआत में, **स्थिति के आकलन के लिये कुछ स्तंभों को उजागर किया जाएगा।** यदि स्थिति अनुमति देती है, तो और भी स्तंभों को जनता के सामने लाया जा सकता है।
- **कुम्हरार का महत्त्व:**
  - पटना में स्थित कुम्हरार में मौर्य साम्राज्य की राजधानी **पाटलिपुत्र के प्राचीन शहर के अवशेष मौजूद हैं।**
  - **कुम्हरार में 600 ईसा पूर्व की** पुरातात्विक खोजें, **अजातशत्रु, चंद्रगुप्त मौर्य और अशोक** जैसे शासकों के इतिहास की जानकारी प्रदान करती हैं।
  - इस स्थल में 600 ईसा पूर्व से लेकर 600 ईसवी तक की चार ऐतिहासिक अवधियों की कलाकृतियाँ शामिल हैं, जो इसके ऐतिहासिक महत्त्व को उजागर करती हैं।

मौर्य राजवंश

- **चंद्रगुप्त मौर्य (321-297 ईसा पूर्व): मौर्य साम्राज्य के प्रवर्तक, जिन्होंने नंद वंश का अंत किया और हिंदू कुश** जैसे क्षेत्रों पर कब्ज़ा करके साम्राज्य का विस्तार किया।
  - 305-303 ईसा पूर्व में, उन्होंने **सेल्यूकस निकेटर के साथ एक संधि की,** जिससे उन्हें अतिरिक्त क्षेत्र प्राप्त हुए। बाद के जीवन में, चंद्रगुप्त **जैन धर्म के अनुयायी बन गए।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

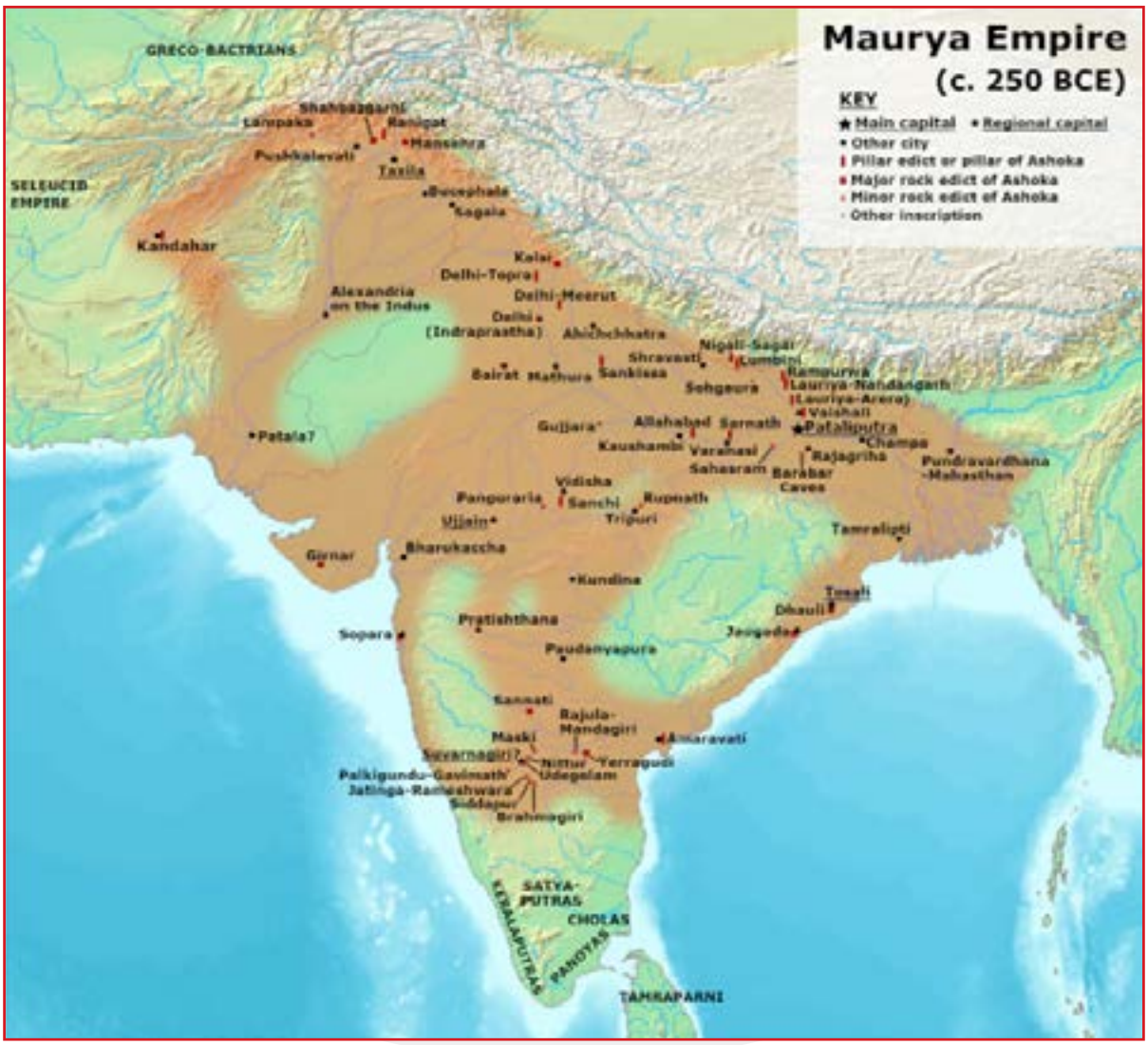

- **चाणक्य,** चंद्रगुप्त मौर्य (322 ईसा पूर्व- 297 ईसा पूर्व) और उनके उत्तराधिकारी बिंदुसार के शासनकाल में प्रधानमंत्री थे। साम्राज्य की सफलता में चाणक्य ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

- **बिंदुसार (298-272 ई.पू.):** साम्राज्य का विस्तार दक्कन तक किया, जिसे **"अमित्रघात" (शत्रुओं का नाश करने वाला) के नाम से जाना जाता है। आजीविक संप्रदाय को** अपनाया। **डेमाकस** उनके दरबार में एक यूनानी राजदूत था।
- **अशोक (272-232 ईसा पूर्व): कलिंग युद्ध** के बाद, जिसमें बड़े पैमाने पर जनहानि हुई, उन्होंने बौद्ध धर्म अपना लिया और अपने **धम्म (नैतिक कानून) के माध्यम से शांति को बढ़ावा दिया।** उन्होंने तीसरी बौद्ध परिषद का आयोजन किया और बौद्ध धर्म को वैश्विक स्तर पर प्रसारित किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **दशरथ (232-224 ईसा पूर्व):** शाही शिलालेख जारी करने वाले अंतिम मौर्य शासक। क्षेत्रीय नुकसान का सामना करना पड़ा।
- **सम्प्रति (224-215 ईसा पूर्व):** विघटित क्षेत्रों पर मौर्य नियंत्रण पुन: स्थापित किया और जैन धर्म को बढ़ावा दिया।
- **शालिशुक (215-202 ईसा पूर्व):** एक झगड़ालू शासक के रूप में जाना जाता था जिसकी नकारात्मक प्रतिष्ठा थी।
- **देववर्मन (202-195 ईसा पूर्व):** संक्षिप्त शासनकाल, पुराणों में उल्लेखित।
- **शतधन्वन (195-187 ईसा पूर्व):** बाहरी आक्रमणों के कारण खोए हुए क्षेत्र।
- **बृहद्रथ (187-185 ईसा पूर्व):** अंतिम मौर्य सम्राट, **पुष्यमित्र शुंग द्वारा हत्या,** मौर्य राजवंश के अंत का प्रतीक।

बिहार के गंगा के मैदानों में पानी के कारण कैंसर का खतरा

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **महावीर कैंसर संस्थान, पटना** के वैज्ञानिकों द्वारा किये गए एक अध्ययन से पता चला है कि पानी में **मैंगनीज़ (Mn) प्रदूषण बिहार के गंगा के मैदानी इलाकों में कैंसर का कारण बन रहा है।**

मुख्य बिंदु

- **बिहार में कैंसर के मामलों में वृद्धि**
  - पिछले कुछ दशकों में **बिहार में कैंसर** के **मामलों में** उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।
  - कैंसर के लिये अनेक योगदानकर्त्ता, जिनमें **मैंगनीज़ विषाक्तता को कार्सिनोजेनेसिस** को प्रभावित करने वाले एक ट्रेस तत्त्व के रूप में रेखांकित किया गया है।
- **अध्ययन के निष्कर्ष:**
  - **नमूना आकार: पटना, वैशाली, पूर्वी चंपारण, मुजफ्फरपुर, सीवान और सारण** में 1,146 कैंसर रोगियों के रक्त के नमूने।
  - **लिंग वितरण:** 67% महिलाएँ, 33% पुरुष, आयु 2-92 वर्ष।
- **कैंसर के प्रकार:**
  - **स्तन कैंसर:** 33.25%
  - हेपेटोबिलरी और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर: 26.96%
  - **गर्भाशय ग्रीवा कैंसर:** 5.58%
  - अन्य कैंसर (मौखिक, नाक, आदि): 34.78%
- **कैंसर वर्गीकरण:**
  - कार्सिनोमा: 84.8%
  - **ल्यूकेमिया:** 9.86%
  - **लिम्फोमा:** 3%
  - **सारकोमा:** 2.27%
- **अवलोकन:**
  - **कैंसर रोगियों के रक्त के नमूनों में Mn संदूषण** पाया गया, जिसका स्तर गंभीर मामलों में **6,022 $\mu g/L$ तक पहुँच गया।**
  - **घरेलू हैंडपंप के** पानी में बढ़े हुए Mn स्तर ने रोगियों के रक्त में Mn के साथ दृढ़ संबंध दर्शाया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **हैंडपंप के पानी में मैंगनीज़:**
  - 84.8% नमूने **भारतीय मानक ब्यूरो (BIS)** की निर्धारित सीमा (100 μg/L) के भीतर थे।
  - 15.2% नमूने स्वीकार्य स्तर से अधिक थे, जिनमें से कुछ 400 μg/L से भी अधिक थे।
- **भू-स्थानिक विश्लेषण:**
  - **मध्य गंगा के मैदान और दक्षिण-पश्चिमी-उत्तरपूर्वी बिहार में उच्च Mn स्तर** पाया गया।
  - भू-मानचित्रण से जल में मैग्नीशियम की सांद्रता और कैंसर की घटनाओं के बीच संबंध पर प्रकाश डाला गया है।
- **मैंगनीज़ की विषाक्तता:**
  - मैंगनीज़ शरीर के **होमियोस्टेसिस के लिये महत्त्वपूर्ण है,** लेकिन इसकी अधिकता से यह विषाक्त हो सकता है।
  - **जोखिम के स्रोत** तलछटी या आग्नेय चट्टान जमा, औद्योगिक प्रदूषण आदि हो सकते हैं।
  - **भारत में पहला मामला 1957 में महाराष्ट्र के खनिकों** में दर्ज किया गया था, जिसमें कमज़ोरी, भावनात्मक अस्थिरता और चलने-फिरने में कठिनाई जैसे लक्षण थे।
  - अन्य प्रभावित क्षेत्र **पश्चिम बंगाल, कर्नाटक** तथा विश्व स्तर पर **नाइजीरिया, बांग्लादेश और चीन जैसे देश हैं।**

भारी धातु प्रदूषण

- **भारी धातु (Heavy Metals):**
  - **भारी धातुओं को** ऐसे तत्त्वों के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिनकी **परमाणु संख्या 20 से अधिक** और **परमाणु घनत्व 5 ग्राम सेमी -3 से अधिक हो** और जिनमें धातु जैसी विशेषताएँ होनी चाहिये। **उदाहरण: आर्सेनिक, कैडमियम, क्रोमियम, तांबा, सीसा, मैंगनीज़, पारा, निकल, यूरेनियम आदि।**
- **भारी धातु प्रदूषण:**
  - **तेज़ी से बढ़ते कृषि और धातु उद्योग,** अनुचित अपशिष्ट प्रबंधन, उर्वरकों **और** कीटनाशकों **के भारी उपयोग** के परिणामस्वरूप हमारी **नदियों, मिट्टी और पर्यावरण** में भारी धातु प्रदूषण हुआ है।
  - **कृषि और औद्योगिक कार्य,** लैंडफिलिंग, **खनन और परिवहन भूजल** में भारी धातुओं के प्राथमिक स्रोत हैं।
  - कृषि जल के माध्यम से **भारी धातुएँ** नदी तक पहुँचती हैं।
  - **उद्योगों से निकलने वाले अपशिष्ट जल** (जैसे चमड़े का कारखाना उद्योग, जो क्रोमियम भारी धातुओं का एक बड़ा स्रोत है) को सीधे नदी निकायों **में छोड़े जाने से भारी धातु प्रदूषण** की गंभीरता बढ़ गई है।
  - भारी धातुओं में पौधों, जानवरों और पर्यावरण में लंबे समय तक बने रहने का गुण होता है।

पटना में सुपर स्पेशियलिटी आई हॉस्पिटल

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **बिहार सरकार ने** पटना में एक सुपर-स्पेशियलिटी नेत्र अस्पताल के निर्माण और संचालन की सुविधा के लिये **शंकर आई फाउंडेशन इंडिया, कोयंबटूर** के साथ एक **समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किये।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **भूमि आवंटन अनुमोदन:**
  - बिहार मंत्रिमंडल ने शंकर आई फाउंडेशन इंडिया को एक रुपए की मामूली लागत पर सशर्त पट्टे पर पटना के **कंकड़बाग में 1.60 एकड़ जमीन के आवंटन को मंज़ूरी दी।**
  - इस भूमि का उपयोग सुपर-स्पेशियलिटी नेत्र अस्पताल के निर्माण के लिये किया जाएगा।
- **अस्पताल का विवरण और लाभ:**
  - शंकर आई फाउंडेशन इंडिया, जो **अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नेत्र उपचार** के लिये प्रशंसा प्राप्त कर चुका है, इस अस्पताल का निर्माण और संचालन अपने व्यय पर करेगा।
  - सामान्य नेत्र देखभाल के साथ-साथ **कॉर्नियाप्लास्टी, रेटिनल डिटेचमेंट सर्जरी और नेत्र कैंसर उपचार** जैसे उन्नत उपचार भी उपलब्ध कराए जाएँगे।
- **निःशुल्क उपचार प्रावधान:**
  - **75% रोगियों को मुफ्त उपचार मिलेगा,** जबकि शेष **25% को सेवाओं के लिये भुगतान करना होगा।**
  - **2.5 लाख रुपए से कम वार्षिक आय वाले परिवार मुफ्त इलाज** के लिये पात्र होंगे।
- स्वास्थ्य अवसंरचना पर विपरीत रिपोर्ट:
- बिहार स्वास्थ्य अवसंरचना पर CAG लेखापरीक्षा निष्कर्ष:
  - **शीतकालीन सत्र के दौरान प्रस्तुत सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना (2016-2022) पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) की** रिपोर्ट में राज्य के प्रदर्शन की आलोचना की गई।
  - वित्त वर्ष 2016-17 से 2021-22 तक आवंटित 69,790.83 करोड़ रुपए के स्वास्थ्य बजट में से केवल 48,047.79 करोड़ रुपए (69%) व्यय किये गए, जबकि 21,743.04 करोड़ रुपए (31%) अप्रयुक्त रह गए।
- **कम स्वास्थ्य व्यय:**
  - सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) के प्रतिशत के रूप में बिहार का स्वास्थ्य देखभाल व्यय 1.33% से 1.73% के बीच था तथा राज्य बजट के मुकाबले यह 3.31% से 4.41% के बीच था।
- **संसाधनों की कमी:**
  - रिपोर्ट में औषधियों, चिकित्सा उपकरणों और उपभोग्य सामग्रियों की कमी का उल्लेख किया गया है, साथ ही सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढाँचे में महत्त्वपूर्ण कमियों की ओर संकेत किया गया है।

महिला कबड्डी विश्व कप 2025 बिहार में आयोजित किया जाएगा

चर्चा में क्यों ?

बिहार मार्च 2025 में **राजगीर स्पोर्ट्स अकादमी** के इनडोर हॉल में **महिला कबड्डी विश्व कप की** मेज़बानी करेगा।

मुख्य बिंदु

- इसमें भारत, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, नेपाल, पाकिस्तान, ईरान, इंडोनेशिया, श्रीलंका, थाईलैंड, पोलैंड, अर्जेंटीना और दक्षिण अफ्रीका सहित कुल **14 देशों के भाग लेने की आशा है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **बिहार** दूसरी **बार महिला कबड्डी विश्व कप** की मेजबानी करेगा , इससे पहले **2012 में पटना के पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स** में इस आयोजन की मेजबानी की गई थी।

महिला कबड्डी विश्व कप

- महिला **कबड्डी विश्व कप** महिला टीमों के लिये एक अंतर्राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता है।
- इसका आयोजन **अंतर्राष्ट्रीय कबड्डी महासंघ** (IKF) द्वारा किया जाता है।
- इस टूर्नामेंट में दुनिया भर की शीर्ष कबड्डी टीमें खिताब के लिये प्रतिस्पर्द्धा करती हैं।
- पहला **महिला कबड्डी विश्व कप 2012 में पटना, बिहार** में आयोजित किया गया था।

बिहार बिज़नेस कनेक्ट 2024 निवेश

चर्चा में क्यों ?

'बिहार बिज़नेस कनेक्ट-2024' में राज्य को 1.80 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए।

- राज्य सरकार ने घोषणा की कि वह एक वर्ष के भीतर **समझौता ज्ञापनों (MoU)** को ज़मीनी स्तर पर ठोस निवेश में परिवर्तित करना सुनिश्चित करेगी।

मुख्य बिंदु

- **व्यवसाय में आसानी के लिये नोडल अधिकारी:**
  - **व्यापार को सुगम** बनाने के लिये **"प्रत्येक पाँच से दस समझौता ज्ञापनों के लिये एक नोडल अधिकारी"** की नियुक्ति की घोषणा की गई।
  - ये अधिकारी उन 11 क्षेत्रों में भूमि सुरक्षित करने तथा सभी आवश्यक मंज़ूरी प्राप्त करने में निवेशकों की सहायता करेंगे जिनके लिये प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं।
- **प्रगति की आवधिक समीक्षा:**
  - राज्य **निवेश संवर्द्धन बोर्ड** निवेशों का समय पर कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिये इन पहलों की प्रगति की नियमित समीक्षा करेगा।
- **वर्ष 2024 में निवेश प्रतिबद्धताएँ:**
  - **पटना में दो दिवसीय वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन** के दौरान कुल **423 निवेश प्रतिबद्धताओं पर हस्ताक्षर किये गये।**
  - निवेशक सम्मेलन के **वर्ष 2023 संस्करण में, बिहार ने 50,300 करोड़ रुपए की निवेश प्रतिबद्धता प्राप्त की थी।**

बिहार बिज़नेस कनेक्ट-2024

- **उद्देश्य:**
  - शिखर सम्मेलन का उद्देश्य **विनिर्माण, बुनियादी ढाँचे, कृषि** और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करना तथा व्यापार वृद्धि के लिये बिहार के अनुकूल वातावरण को प्रदर्शित करना था।
- **सरकारी पहल:**
  - प्रमुख नीतियाँ तथा सुधार, निवेशकों के लिये अनुकूल माहौल बनाने के लिये कर प्रोत्साहन, बुनियादी ढाँचे के उन्नयन और **कौशल विकास** कार्यक्रमों के साथ-साथ **व्यापार करने में आसानी** को बेहतर बनाने पर केंद्रित हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म:**
  - इस आयोजन ने उद्योग जगत के नेताओं, सरकारी अधिकारियों और वैश्विक निवेशकों के बीच नेटवर्किंग के लिये एक मंच प्रदान किया, जिससे बिहार की अर्थव्यवस्था में सहयोग के अवसर बढ़े।
- **क्षेत्रीय फोकस:**
  - राज्य की आर्थिक परिदृश्य को विविधता प्रदान करने की योजनाओं के अनुरूप **नवीकरणीय ऊर्जा**, **सूचना प्रौद्योगिकी (IT)**, **पर्यटन** और **कृषि-व्यापार** जैसे क्षेत्रों पर ज़ोर दिया जा रहा है।

BPSC ने परीक्षा रद्द करने से किया मना

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) के अध्यक्ष ने 70वीं एकीकृत संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (CCE) 2024 को रद्द करने की मांग को अस्वीकार कर दिया, जो प्रश्न-पत्र लीक के आरोपों के कारण विवाद में है।**

मुख्य बिंदु

- **परीक्षा केंद्र में व्यवधान:**
  - व्यवधान **केवल एक परीक्षा केंद्र तक सीमित था** और आयोग **पुन: परीक्षा आयोजित कर इस समस्या का समाधान कर रहा है।**
  - *बापू परीक्षा परिसर केंद्र* पर प्रारंभिक परीक्षा, जो **उपद्रवी अभ्यर्थियों द्वारा उत्पन्न व्यवधान के कारण रद्द कर दी गई थी, 4 जनवरी, 2025 को पटना में किसी अन्य स्थान पर पुन: आयोजित की** जाएगी।
  - पुन: परीक्षा में लगभग 12,000 अभ्यर्थियों के भाग लेने की संभावना है।
- **शो कॉज नोटिस:**
  - BPSC ने व्यवधान में कथित रूप से शामिल 34 अभ्यर्थियों को **शो कॉज नोटिस** जारी किया है।
  - इन **उम्मीदवारों को 26 दिसंबर, 2024 तक उत्तर देना होगा,** अन्यथा उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।
- **पूर्ण निरस्तीकरण की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन:**
  - उम्मीदवारों का एक समूह निष्पक्षता पर चिंता का हवाला देते हुए 13 दिसंबर, 2024 को आयोजित **पूरी परीक्षा को रद्द करने की मांग कर रहा है।**
  - प्रदर्शनकारी कई दिनों से *गर्दनी बाग* में धरने पर बैठे हैं, उनका तर्क है कि केवल एक केंद्र के लिये पुन: परीक्षा कराना "समान अवसर" के सिद्धांत का उल्लंघन है।

नोट:

- शो कॉज नोटिस एक **औपचारिक संचार है जो न्यायालय, सरकारी एजेंसी या किसी अन्य आधिकारिक निकाय द्वारा** किसी व्यक्ति या संस्था को जारी किया जाता है, जिसमें उनसे उनके कार्यों, **निर्णयों या व्यवहार को स्पष्ट करने या उचित ठहराने के लिये कहा जाता है।** शो कॉज नोटिस का उद्देश्य प्राप्तकर्त्ता को विशिष्ट चिंताओं या कथित उल्लंघनों **के संबंध में प्रतिक्रिया या स्पष्टीकरण देने का अवसर देना है।**

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :